Series JBB/C

SET-3

कोड नं. **3/C/3**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (अ)

HINDI (A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *प्रश्न-पत्र* ***चार*** *खण्डों में विभाजित किया गया है —* ***क, ख, ग*** *एवं* ***घ*** *। सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं ।*

(ii) ***खण्ड क*** *में प्रश्न अपठित गद्यांश पर आधारित हैं ।*

(iii) ***खण्ड ख*** *में प्रश्न संख्या* ***2*** *से* ***5*** *तक प्रश्न व्याकरण के हैं ।*

(iv) ***खण्ड ग*** *में प्रश्न संख्या* ***6*** *से* ***10*** *तक प्रश्न पाठ्य-पुस्तकों से हैं ।*

(v) ***खण्ड घ*** *में प्रश्न संख्या* ***11*** *से* ***13*** *तक प्रश्न रचनात्मक लेखन के हैं ।*

(vi) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए ।*

(vii) *उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होने चाहिए और साथ ही दी गई शब्द सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए ।*

(viii) *प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है । तथापि, कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । ऐसे प्रश्नों में से* ***केवल एक ही विकल्प का उत्तर*** *लिखिए ।*

(ix) *इसके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

चित्र-लेखन विधियाँ धीरे-धीरे समाप्त होती रहीं और लोगों ने अक्षरों का प्रयोग आरंभ कर दिया । लेकिन कहीं-कहीं, यहाँ तक कि आज भी, चित्र-लेखन विधियाँ प्रचलित हैं । चीन में लोग अब भी इस प्रकार के चिह्नों का प्रयोग लेखन में करते हैं । इस विधि को उन्होंने ही शायद सबसे पहले अपनाया था । चीन में कागज़ बनाने और छपाई की कला भी यूरोप के देशों से बहुत पहले लोगों को मालूम हो चुकी थी ।

आकृति लेखन अभी तक एकदम समाप्त नहीं हुआ है । किसी रेलवे लाइन को जब हम पार करते हैं तो सड़क पर रेल की पटरी का चिह्न बना होता है, किसी विषैली दवा के लेबिल पर एक खोपड़ी और उसके नीचे दो हड्डियाँ बनी होती हैं । इस चित्र का अर्थ होता है विष । तीर का निशान दिशा-संकेत के लिए प्रयोग किया जाता है ।

कहीं-कहीं तो आकृति लेखन अक्षरों और शब्दों की अपेक्षा अधिक आसान सिद्ध होता है । चीनी लोगों के लिए तो यह अत्यावश्यक है । केवल ऐसी ही बात नहीं कि वे चिह्नों के स्थान पर अक्षरों का प्रयोग नहीं करना चाहते, बल्कि ऐसा करना उनके लिए असंभव भी है ।

इसका कारण है । चीनी भाषा बड़ी अद्‌भुत है । उसमें बहुत ही कम शब्द हैं । जितने भी शब्द हैं, वे बहुत छोटे हैं । हर शब्द के बहुत से भिन्न-भिन्न अर्थ होते हैं । जैसे हिंदी में भी 'कर' के अर्थ हाथ, सूँड़, किरण, शुल्क, आदि हैं । इसलिए चीनियों ने इसका एक समाधान खोज निकाला । उदाहरण के लिए – उनके 'चूँ' शब्द को लें, कितना छोटा-सा शब्द ! इसके भी कई अर्थ हैं । जैसे – पानी का जहाज़, बहुत अधिक बातचीत, भीषण अग्नि, बंदरगाह, नीचे आदि । इस शब्द को अर्थ के अनुसार दिखाने के लिए चित्रों में कुछ भिन्नता का उपयोग करते हैं । जहाज़ के लिए पतवार के साथ जहाज़ की आकृति उकेरते हैं, बातचीत के लिए इसके पास एक मुँह बना देते हैं, भीषण अग्नि के लिए इसके पास आग का चित्र बना देते हैं । इस प्रकार एक ही शब्द को भिन्न अर्थों में दिखाने में चित्र सहायक होता है ।

(क) चीनी लोगों के लिए आकृति-लेखन विधि को अपनाना अत्यावश्यक क्यों है ? *2*

(ख) एक शब्द के भिन्न-भिन्न अर्थ होने का क्या अर्थ है ? अपनी भाषा के एक उदाहरण से समझाइए । *2*

(ग) चित्र-लेखन से आप क्या समझते हैं ? इसका प्रचलन किस देश में अधिक है ? *2*

(घ) एक शब्द के कई अर्थों को स्पष्ट करने में लेखन की कौन-सी तकनीक कारगर साबित होती है ? उदाहरण सहित लिखिए । *2*

(ङ) चीन यूरोप से किन चीज़ों में आगे रहा था ? *1*

(च) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

खण्ड ख

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : *1×4=4*

(क) नवाब साहब खीरे की तैयारी के बाद थक कर लेट गए ।
(मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ख) इस बात में कोई शक नहीं कि दादा की मीठी शहनाई उनके हाथ लग चुकी है ।
(आश्रित उपवाक्य छाँट कर भेद भी लिखिए)

(ग) काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्‌भुत परंपरा है ।
(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(घ) दरअसल मंत्रमुग्ध-सी मैं तंद्रिल अवस्था में ही थोड़ी दूर तक निकल आई थी ।
(रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए)

3. निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए : *1×4=4*

(क) हमने मैया के आँचल की छाया न छोड़ी । (कर्मवाच्य में)

(ख) गुरुजी द्वारा हमारी ख़ूब ख़बर ली गई । (कर्तृवाच्य में)

(ग) जवाब नहीं दिया । (कर्मवाच्य में)

(घ) लड़का नहीं हँसा । (भाववाच्य में)

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए : *1×4=4*

(क) जिस भाषा में शकुंतला ने श्लोक रचा था वह अपढ़ों की भाषा थी ।

(ख) सुशिक्षित लोग भी ऐसी सोच रखते हैं ।

(ग) हलवाहा वहाँ से डरकर भागा ।

(घ) हम दुलारने से चुप होने वाले लड़के नहीं थे ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×4=4*

(क) निम्नलिखित पंक्तियों में व्यक्त रस की पहचान कर नाम लिखिए :
केसव कहि न जात का कहिए
देखत तव रचना विचित्र अति समुझि मनहि मन रहिए ।।

(ख) 'निर्वेद' किस रस का स्थाई भाव है ?

(ग) संचारी भाव से आप क्या समझते हैं ?

(घ) शृंगार रस का स्थायी भाव क्या है ?

(ङ) 'वत्सल' रस का एक उदाहरण लिखिए ।

खण्ड ग

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

पानवाले के लिए यह एक मज़ेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित और द्रवित करने वाली । यानी वह ठीक ही सोच रहे थे । मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था । बेचारे ने महीने-भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का वादा कर दिया होगा । बना भी ली होगी लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए – काँचवाला – यह तय नहीं कर पाया होगा । या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा या बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा । या पत्थर का चश्मा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा । उफ़ ... !

(क) पानवाले के लिए मज़ेदार और हालदार साहब के लिए चकित और द्रवित करने वाली बात कौन-सी थी ? दोनों के भाव एक ही बात पर भिन्न क्यों थे ?

(ख) चश्मा न बन पाने के पीछे किन कारणों का अनुमान किया गया है ?

(ग) मूर्ति किसकी थी और वह किसके द्वारा किससे बनवाई गई थी ?

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(क) कार्तिक से फागुन तक बालगोबिन भगत की दिनचर्या का वर्णन करते हुए लिखिए कि लेखक उसके प्रति उत्सुक क्यों रहता था ।

(ख) खीरे की सुगंध से मुँह में पानी आने पर भी लेखक ने नवाब साहब का आग्रह क्यों ठुकरा दिया ? उसका नवाब साहब पर क्या असर पड़ा ?

(ग) उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए कि लेखिका मन्नू भंडारी के पिता एक ओर प्रगतिशील विचारों के थे तथा दूसरी ओर संकीर्ण सोच के व्यक्ति थे ।

(घ) 'फ़ादर की स्मृतियों को लेखक जिस आत्मीयता से लिख रहा है उससे दोनों के संबंधों की प्रगाढ़ता झलकती है' – 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर टिप्पणी कीजिए ।

(ङ) 'बिस्मिल्ला खाँ सुर के सच्चे साधक थे' पाठ के आधार पर पुष्टि कीजिए ।

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना ।
यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया;
जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया ।
प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है ।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन ।

(क) 'मृगतृष्णा' के अर्थ को समझाते हुए लिखिए कि वह किसे और क्यों कहा गया है ।

(ख) छाया से कवि का क्या आशय है ? वह उसे छूने से क्यों मना कर रहा है ?

(ग) यथार्थ के पूजन से आप क्या समझते हैं ? वह क्यों ज़रूरी है ?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(क) ' 'लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में परशुराम का क्रोध उनके विवेक पर हावी नहीं हुआ है जबकि लक्ष्मण की वाचालता सीमा लाँघ गई है' – पुष्टि कीजिए ।

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' क्यों कहते हैं कि आँख हटाता हूँ तो हट नहीं रही है ?

(ग) 'यह दंतुरित मुस्कान' कविता में कवि और बच्चे में अपरिचय क्यों है ? कवि किसके प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करता है और क्यों ?

(घ) लड़की होने और लड़की जैसे दिखाई देने में क्या अंतर है ? 'कन्यादान' के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) उद्धव और गोपियों के संवाद के बहाने से सूरदास निर्गुण भक्ति पर व्यंग्य कर रहे हैं – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) जॉर्ज पंचम की लाट की नाक को लेकर भारतीय शासन तंत्र में इतनी खलबली क्यों थी ? इससे सत्ता का कैसा चरित्र उभरकर आता है ?

(ख) " 'माता का अंचल' में भोलानाथ अपने पिता के साथ उनकी दिनचर्या में शामिल होता था । आज न पिता को ऐसा अवकाश है, न ही वैसा बेफिक्र बचपन" – कथन के संदर्भ में अपने विचार लिखिए ।

(ग) जितेन नोर्गे की विशेषताओं को ध्यान में रखकर एक आदर्श गाइड के गुणों और उसकी भूमिका पर चर्चा कीजिए ।

खण्ड घ

11. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 – 250 शब्दों में निबंध लिखिए : *10*

(क) पुस्तकों का जीवन पर प्रभाव

- पुस्तकें : ज्ञान और अनुभव का भंडार
- अध्ययन : मानसिक विकास में सहायक
- मेरी पसंद की पुस्तकें और मुझ पर उनका प्रभाव

(ख) विद्यालय बनाम कोचिंग में उलझा विद्यार्थी वर्ग

- विद्यालयी शिक्षा का महत्त्व
- प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं का दबाव
- दोनों में उलझा विद्यार्थी

(ग) मानव : पर्यावरण विनाश के लिए उत्तरदायी

- पर्यावरण में सबका साहचर्य
- विकास का प्रभाव
- मानव-जाति का दायित्व

12. दूरदर्शन कार्यक्रमों में हाल ही में एक ऐसा धारावाहिक शामिल हुआ है जिससे बच्चों में हिंसा की भावना को बढ़ावा मिलता है । दूरदर्शन के महानिदेशक को लगभग 80 – 100 शब्दों में एक पत्र लिखकर शिकायत करते हुए, बालोपयोगी कार्यक्रम दिखाने की माँग कीजिए । *5*

अथवा

दीपावली की सफाई के दौरान आपको कोई ऐसी वस्तु मिल गई जिससे आप भावुक हो उठे । उसकी और उससे जुड़ी स्मृतियों की बातें साझा करते हुए मित्र को लगभग 80 – 100 शब्दों में पत्र लिखिए । *5*

13. आपका पालतू कुत्ता खो गया । उसके लिए एक विज्ञापन लगभग 25 – 50 शब्दों में तैयार कर तलाश हेतु इनाम घोषित कीजिए । *5*

अथवा

'जल संरक्षण है ज़रूरी' विषय पर जनहित का एक विज्ञापन लगभग 25 – 50 शब्दों में तैयार कीजिए । *5*